

## अध्याय - 1 | लेखन कला और शहरी जीवन

### QUIZ PART-04

1. मेसोपोटामिया के लोग किस प्रकार के जीवन को महत्त्व देते थे?
- ग्रामीण जीवन
  - शहरी जीवन
  - वन जीवन
  - खानाबदोश जीवन

(B)

**व्याख्या:** मेसोपोटामिया में शहरों का अत्यधिक महत्त्व था और लोग शहरी जीवन को श्रेष्ठ मानते थे।

2. गिल्लेमेश ने किस नगर पर शासन किया था?

- उर
- उरुक
- मारी
- निप्पुर

(B)

**व्याख्या:** गिल्लेमेश ने उरुक नगर पर शासन किया था।

3. मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन किस क्षेत्र से संबंधित मानी जाती है?

- स्थापत्य कला
- साहित्य
- कालगणना और गणित
- धातु विद्या

(C)

**व्याख्या:** मेसोपोटामिया की सबसे महत्वपूर्ण देन उसकी उन्नत कालगणना और गणितीय परम्परा थी।

4. किन पट्टिकाओं पर गुणा, भाग, वर्ग और चक्रवृद्धि ब्याज संबंधी जानकारी मिलती है?

- 1000 ई.पू.
- 2000 ई.पू.
- 1800 ई.पू.
- 2500 ई.पू.

(C)

**व्याख्या:** 1800 ई.पू. की पट्टिकाओं में उन्नत गणितीय जानकारी मिलती है।

5. समय विभाजन की कौन-सी पद्धति मेसोपोटामिया की देन है?

- वर्ष को 10 माह में बाँटना
- दिन को 10 घंटों में बाँटना
- महीने को 4 हफ्तों में बाँटना
- घंटे को 50 मिनट में बाँटना

(C)

**व्याख्या:** मेसोपोटामियावासियों ने वर्ष, माह, दिन और घंटे के उन्नत विभाजन विकसित किए थे, जिनमें एक माह को 4 हफ्तों में विभाजित करना शामिल है।

6. राजा असुरबनिपाल ने अपना पुस्तकालय कहाँ स्थापित किया था?

- उर
- मारी
- निनेवे (निनवे)
- उरुक

(C)

**व्याख्या:** असुरबनिपाल ने निनेवे में विशाल पुस्तकालय स्थापित किया था।

7. असुरबनिपाल के पुस्तकालय में लगभग कितनी पट्टिकाएँ थीं?

- 5,000
- 10,000
- 20,000
- 30,000

(D)

**व्याख्या:** पुस्तकालय में लगभग 30,000 पट्टिकाएँ संग्रहीत थीं।

8. नैबोनिडस को किस रूप में जाना जाता है?

- प्रथम गणितज्ञ
- आरंभिक पुरातत्त्ववेत्ता
- महान योद्धा
- खगोलशास्त्री

(B)

**व्याख्या:** नैबोनिडस को प्रारंभिक पुरातत्त्ववेत्ता माना जाता है क्योंकि उन्होंने प्राचीन अक्कादी साम्राज्यों के अंत का अध्ययन किया।

9. असुरबनिपाल के पुस्तकालय में किस प्रकार की पट्टिकाएँ संग्रहीत थीं?

- केवल धार्मिक
- केवल गणितीय
- इतिहास, महाकाव्य, ज्योतिष, शकुन साहित्य
- केवल प्रशासनिक

(C)

**व्याख्या:** पुस्तकालय में विविध प्रकार की पट्टिकाएँ थीं, जैसे इतिहास, महाकाव्य, ज्योतिष और शकुन साहित्य।

10. गिल्लेमेश के महाकाव्य की प्रतियाँ किसके पुस्तकालय में पाई गईं?

- नैबोनिडस
- हम्मुराबी
- असुरबनिपाल
- सरगोन

(C)

**व्याख्या:** गिल्लेमेश महाकाव्य की प्रतियाँ असुरबनिपाल के पुस्तकालय में सुरक्षित थीं।